आयोजन डन कॉलोनी में आयोजित किया गया राहगीरी डे कार्यक्रम, आयोजन में मौजूद रहे जनप्रतिनिधि और अधिकारी

स्वच्छता के साथ स्वस्थ रहने का संकल्प

नवभारत, कटनी। रविवार की सुबह डन कॉलोनी की सड़कें जब वाहनों से मुक्त हुईं तो वहां सिर्फ इंसान नहीं उतरे, उतरा पूरे शहर का जज्बा। मौका था नगर पालिक निगम द्वारा आयोजित राहगीरी डे कैंपेन 2026 के आठवें संस्करण का, जिसने स्वच्छता नशा मुक्ति और पर्यावरण संरक्षण की संकल्पना को सड़क पर उतार कर दिखा दिया। मदन मोहन चौबे वार्ड में आयोजित इस भव्य आयोजन ने साबित कर दिया कि जब नागरिक ठान लें तो शहर की तस्वीर और तकदीर दोनों बदल जाती है। कार्यक्रम के दौरान महापौर श्रीमती प्रीति संजीव सूरी, निगम अध्यक्ष मनीष पाठक, निगमायुक्त तपस्या परिहार, मेयर इन काउंसिल सदस्य, सुभाष साहू, डॉ रमेश सोनी, उमेंद्र अहिरवार, बीना संजू बैनर्जी, स्थानीय पार्षद सुशीला मिश्रीलाल, सीमा श्रीवास्तव, गोविंद चावला, पूर्व पार्षद विजय डब्बू रजक, उपयुक्त शैलेश गुप्ता, नोडल अधिकारी आदेश जैन विभिन्न समाजसेवी संगठन, योग ग्रुप, कटनी एक्सरसाइज ग्रुप, गणमान्य नागरिक सहित काफी संख्या में डन कॉलोनी निवासी, छात्र, छात्राएं, युवा, महिला, बुजुर्गों की मौजूदगी रही। सुबह सात बजते ही डन कॉलोनी का मुख्य मार्ग नो व्हीकल जोन में बदल गया। तब्दील गया जनप्रतिनिधियों, क्षेत्रीय नागरिकों, अधिकारियों, महिलाओं, युवाओं, बच्चों और वरिष्ठजनों की उत्साहपूर्ण मौजूदगी ने आयोजन को महोत्सव का रूप दे दिया। नागरिकों ने सपरिवार पहुंचकर स्वच्छता और स्वास्थ्य के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का परिचय दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ सामूहिक योग सत्र से हुआ, जहां सैकड़ों नागरिकों ने एक साथ सूर्य नमस्कार कर शरीर और मन के संतुलन का संदेश दिया। इसके बाद साइकिल रैली में युवाओं की टोली 'एक्टिव कटनी, फिट कटनी' के नारों के साथ निकली तो स्केटिंग ट्रैक पर नन्हे बच्चों ने करतब दिखाकर सबका दिल जीत लिया। रस्साकशी, नींबू-चम्मच दौड़, कुर्सी दौड़ जैसी पारंपरिक खेल कैरम, पिट्ठू, शतरंज, पिट्ठू, सांप सीढ़ी, में बुजुर्गों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लेकर साबित किया कि फिटनेस की कोई उम्र नहीं होती। वही स्वच्छता पर आधारित पेंटिंग प्रतियोगिता के दौरान बच्चों ने भी एक से बढ़कर एक कलाकृति उकेरी। राहगीरी डे सिर्फ पसीना बहाने का मंच नहीं था, बल्कि सोच बदलने की प्रयोगशाला भी बना। कार्यक्रम के दौरान महापौर श्रीमती प्रीति संजीव सूरी ने उपस्थित जनों को स्वच्छता की शपथ दिलाई। जबकि निगम की आई ई सी टीम द्वारा 'फोर बिन सिस्टम' के लाइव डेमो स्टॉल पर निगम कर्मियों ने गीला, सूखा, सेनेटरी और हानिकारक कचरे को अलग-अलग कर दिखाया और बताया कि कचरे का सही निपटान घर से ही शुरू होता है।

नुक्कड़ नाटक पॉलिथीन छोड़ो, पर्यावरण जोड़ो ने सिंगल यूज प्लास्टिक के खतरों को इतने मार्मिक ढंग से प्रस्तुत किया कि कई नागरिकों ने मौके पर ही कपड़े के थैले उपयोग करने का संकल्प लिया। बच्चों द्वारा बनाई गई रंगोलियों में स्वच्छ सर्वेक्षण 2026 और गार्बेज फ्री सिटी के संदेशो ने सभी का ध्यान खींचा। कार्यक्रम में नगर निगम के अधिकारियों ने बताया कि आयोजन में शामिल हुई भीड़ बता रही है कि कटनी बदल रहा है। स्वच्छता और स्वास्थ्य अब सरकारी अभियान नहीं, जन-आंदोलन बन गसर हैं। रैली के माध्यम से नशा मुक्ति का संदेश दिया।

संस्कृत भाषा नहीं, भारतीय संस्कृति अमूल्य धरोहर है

संस्कृत भाती मध्य क्षेत्रम द्वारा प्रशिक्षण वर्ग का आयोजन

नवभारत, कटनी। संस्कृत भारती मध्य क्षेत्रम द्वारा क्षेत्र प्रशिक्षण वर्ग का आयोजन आधारकाप स्थित कटनी डिग्री कॉलेज में शुक्रवार को किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत के उपाध्यक्ष व जिला शिक्षा समिति के अध्यक्ष अशोक विश्वकर्मा की उपस्थिति रही। कार्यक्रम के प्रारंभ में मंचासीन अतिथियों ने वीणावादिनी मां सरस्वती के तैलचित्र पर माल्यार्पण करते हुए दीप प्रज्जवलन किया।

इसके बाद आयोजन समिति के पदाधिकारियों और सदस्यों ने मंचासीन अतिथियों का पुष्पहारों से स्वागत किया।

मुख्य अतिथि जिला पंचायत उपाध्यक्ष अशोक विश्वकर्मा ने कहा कि संस्कृत केवल एक भाषा नहीं, बल्कि भारतीय ज्ञान, संस्कृति और सभ्यता की अमूल्य धरोहर है।

हम सभी का दायित्व है कि इस गौरवशाली विरासत को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाएं। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम में सम्मिलित होकर संस्कृत भाषा के संरक्षण, संवर्धन और जन-जन तक इसके प्रचार-प्रसार के लिए किए जा रहे प्रयासों को निकट से जानने का अवसर मिला।

इस सफल आयोजन के लिए संस्कृत भारती परिवार और सभी आयोजकों को शुभकामनाएं दी। उन्होंने यह भी कहा कि संस्कृत के प्रति युवाओं का बढ़ता उत्साह निश्चित रूप से भारत की सांस्कृतिक चेतना को और अधिक सशक्त करेगा।

इस प्रशिक्षण वर्ग में काफी संख्या में आयोजन समिति के पदाधिकारी, सदस्य और गणमान्य नागरिकों सहित अन्य लोगों की उपस्थिति रही।

एक नजर में

आज से एक महीने तक बंद रहेगा मार्ग

नवभारत, कटनी। कटनी साउथ स्टेशन और आयुध निर्माणी को जोड़ने वाला मुख्य मार्ग 1 जून से 30 जून तक बंद रहेगा। यह मार्ग आयुध निर्माणी क्षेत्र से होकर गुजरता है। मार्ग बंद होने से हजारों लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ेगा। 51.50 करोड़ रुपए की लागत से बन रहा रेलवे ओवरब्रिज अभी तक पूरा नहीं हुआ है, जिससे स्थिति और जटिल हो गई है। आयुध निर्माणी प्रशासन द्वारा एसीसी रोड से ऑर्डनेंस फैक्ट्री होते हुए कटनी साउथ स्टेशन जाने वाले मार्ग पर आरसीसी सड़क का निर्माण कराया जाना है। इसी कारण यह मार्ग एक माह के लिए पूरी तरह बंद किया जा रहा है। प्रशासन ने वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करने की अपील की है, लेकिन स्थानीय लोगों का कहना है कि आसपास कोई सुगम विकल्प उपलब्ध नहीं है। इस मार्ग के बंद होने से आयुध निर्माणी और रेलवे के कर्मचारी, एसीसी कॉलोनी और आसपास के रहवासी और कटनी साउथ स्टेशन आने-जाने वाले रेल यात्री प्रभावित होंगे। लोगों को अब लंबा चक्कर लगाना पड़ेगा, जिससे समय के साथ-साथ ईंधन खर्च भी बढ़ेगा। मार्ग बंद होने के बाद पूरा ट्रैफिक दबाव मंगलनगर अंडरब्रिज पर आ जाएगा। यह अंडरब्रिज हर वर्ष बारिश के दौरान जलभराव की समस्या से प्रभावित रहता है।

रोजगार सहायक ने बिना अनुमति कराई बोरिंग

जनपद पंचायत ढीमरखेड़ा के सनकुई पंचायत का मामला

नवभारत, ढीमरखेड़ा। जिले के ढीमरखेड़ा जनपद के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत सनकुई में जिला दंडाधिकारी के आदेश का उल्लंघन कर नलकूप खनन कराने का मामला सामने आया है, नलकूप खनन का आरोप रोजगार सहायक रज़ा अहमद साहनी पर पर है।

जानकारी के अनुसार 26 मई 2026 की रात, जब पूरा गांव सो रहा था, तब रोजगार सहायक द्वारा प्रशासनिक अनुमति के बिना खसरा नंबर 717/2 में अवैध रूप से नलकूप खनन करवा दिया गया। रात के सन्नाटे में हुई इस बोरिंग ने प्रशासनिक मुस्तैदी और दावों की पोल खोल कर रख दी है। पंचायत कर्मी स्वयं शासन की योजनाओं और नियमों को धरातल पर लागू करवाने के लिए जिम्मेदार है, वही खुलेआम जिला दंडाधिकारी के प्रतिबंधात्मक आदेशों को हवा में उड़ा रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि एक तरफ आम आदमी को जरूरत होने पर भी नियमों का वास्ता देकर अनुमति के लिए चक्कर कटवाए जाते हैं, वहीं दूसरी तरफ रसूखदार पंचायत कर्मी रात के अंधेरे में बिना किसी डर के अवैध खनन करवा रहे हैं।

दतला नदी में लगातार हो रहा रेत का अवैध खनन, नहीं की जा रही कार्रवाई

रेत के अवैध खनन पर कार्रवाई नहीं होने से ग्रामीण में आक्रोश

नवभारत, कटनी। जब रक्षक ही धृतराष्ट्र बन जाएं, तो दतला नदी जैसी जीवनदायिनी का चीरहरण तय है। जिले के ढीमरखेड़ा तहसील के सुनारखेड़ा और दतला पुल के पास इन दिनों कानून का नहीं, बल्कि 'रेत सिंडिकेट' का सिक्का चल रहा है। पिछले 6 सालों से स्थानीय ग्रामीण चिल्ला-चिल्लाकर थक गए हैं, प्रशासनिक चौखटों पर शिकायतों की फाइलें धूल खा रही हैं, लेकिन खनन विभाग और स्थानीय प्रशासन ने आंखों पर पट्टी बांध रखी है। दिन के उजाले में नदी की छाती को जेसीबी और फावड़ों से जख्मी किया जाता है और रात के अंधेरे में ट्रैक्टरों की गूंज इस अवैध धंधे पर मुहर लगाती है। सूत्रों की मानें तो देवेंद्र नामक युवक ने पिछले 6 साल से दतला नदी के पुल को अपना हेडक्वार्टर बनाकर बैठा है। चौंकाने वाली बात यह है कि इस मास्टरमाइंड के पास खुद का एक भी ट्रैक्टर नहीं है। स्थानीय ट्रैक्टर मालिकों को महज 500 प्रति चक्कर का लालच दिया जाता है। हर दिन 4 से 5 किराए के ट्रैक्टर लगातार नदी का सीना चीरकर रेत ढो रहे हैं। दिनभर नदी किनारे रेत के पहाड़ खड़े किए जाते हैं और रात होते ही सिंडिकेट के नेटवर्क के जरिए इसे खपाकर रोजाना लाखों रुपए बटोरे जा रहे हैं। यह सिर्फ रेत की चोरी नहीं, बल्कि एक पूरे ईकोसिस्टम की हत्या है। दतला नदी के लगातार दोहन से नदी का वजूद तो खतरे में है ही, साथ ही किनारे बसे किसानों की जिंदगी भी तबाह हो रही है। किसानों का कहना है कि लगातार हो रहे उत्खनन से भूमि का कटाव इतनी तेजी से बढ़ रहा है कि हमारे खेत के खेत गायब हो रहे हैं। हम आर्थिक रूप से बर्बाद हो गए हैं, लेकिन हमारी चीखें अधिकारियों के बंद कमरों तक नहीं पहुंचतीं। यह पूरा गोरखधंधा किसी सुदूर जंगल में नहीं, बल्कि जबलपुर, कुंडम और कटनी को जोड़ने वाले मुख्य मार्ग दतला पुल पर चल रहा है। जहां से हर मिनट वीआईपी, प्रशासनिक अधिकारी और यात्री बसें गुजरती हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि मुख्य सड़क के किनारे 6 साल से चल रहा अवैध कारोबार अधिकारियों को दिख नहीं रहा है या फिर अधिकारी जानबूझकर कारोबार देखना नहीं चाहते हैं। सवाल यह भी उठता है कि ग्रामीणों ने जब आरोपी का नाम और ठिकाना साफ-साफ लिखकर अधिकारियों को दिया, तो फिर फाइलें आगे क्यों नहीं बढ़ीं। किसके दबाव में कार्रवाई नहीं की ज रही है। कार्रवाई नहीं होने पर ग्रामीणों ने उग्र आंदोलन की चेतावनी दी है।

बिना नंबर प्लेट वाहनों की अब होगी सीधे जब्ती, ई-चेक गेट से हाइटेक रखी जाएगी नजर

खनिज के अवैध परिवहन पर वसूला 60 लाख का जुर्माना

नवभारत,कटनी। जिले में अवैध खनन, परिवहन और ओवरलोडिंग के विरुद्ध प्रशासन द्वारा कड़ी कार्रवाई की गई है। कलेक्टर आशीष तिवारी के निर्देश पर राजस्व, खनिज और पुलिस विभाग के संयुक्त दलों द्वारा अवैध खनिज खनन और परिवहनकर्ताओं पर लगातार शिकंजा कसा जा रहा है। तभी तो चालू वित्तीय वर्ष में अब तक 50 से अधिक अवैध खनिज परिवहन करने वाले वाहनों पर कार्रवाई करते हुए 60 लाख रुपये से अधिक की जुर्माना राशि शासकीय खजाने में जमा कराई गई है। खनिज विभाग के उपसंचालक रत्नेश दीक्षित ने बताया कि पिछले वित्तीय वर्ष में जिले में 125 प्रकरण दर्ज कर लगभग डेढ़ करोड़ रुपये का अर्थदंड वसूला गया था। इसी कड़ी में इस वर्ष भी कार्रवाई का सिलसिला लगातार जारी है। प्रशासनिक सख्ती और चौतरफा निगरानी से अवैध खनिज कारोबार में लिप्त लोगों में हड़कंप की स्थिति बनी हुई है। अब सिर्फ मैन्युअल जांच ही नहीं, बल्कि आधुनिक तकनीक के माध्यम से भी अवैध परिवहन पर नजर रखी जा रही है। जिले में संचालित हाई-टेक ई-चेक गेट अवैध परिवहन करने वालों के लिए बड़ी चुनौती बनकर उभरा है। ई-चेक गेट से बिना रॉयल्टी और नियमों का उल्लंघन कर परिवहन करने वाले 4 वाहनों को चिन्हित किया गया, जिन पर 6 लाख 21 हजार रुपए का अर्थदंड लगाकर नोटिस जारी किए गए हैं। कलेक्टर आशीष तिवारी ने परिवहन विभाग और खनिज विभाग को संयुक्त रूप से प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने स्पष्ट हिदायत दी है कि बिना नंबर प्लेट के सड़कों पर दौड़ने वाले वाहन सीधे तौर पर संदिग्ध माने जाएंगे और ऐसे वाहनों को तत्काल प्रभाव से ज़ब्त किया जाए और विधिसम्मत कार्रवाई की जाए। कलेक्टर ने अधिकारियो को निर्देशित किया है कि जिले की खनिज संपदा का अवैध दोहन किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अवैध परिवहन और खनिज चोरी में संलिप्त लोगों के विरुद्ध मध्यप्रदेश खनिज नियम, परिवहन अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत कठोरतम दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। आने वाले दिनों में खनिज, पुलिस और परिवहन विभाग द्वारा संयुक्त रूप से आकस्मिक छापामार कार्रवाई, चेकिंग अभियान चलाया जाएगा।

आदतन अपराधी का जिलाबदर

नवभारत, कटनी। जिला दंडाधिकारी कलेक्टर आशीष तिवारी ने एनकेजे थाना क्षेत्र के हीरापुर कौड़िया गांव निवासी अभिषेक उर्फ रमैया पिता रामेश्वर गौतम (33 वर्ष) के खिलाफ मध्यप्रदेश राज्य सुरक्षा अधिनियम के तहत कार्रवाई करते हुए 24 घंटे के भीतर आने पांच 5 माह की अवधि के लिए जिले की राजस्व सीमाओं से बाहर जाने का आदेश पारित किया है। कलेक्टर ने जिला बदर की कार्रवाई पुलिस अधीक्षक से प्राप्त प्रतिवेदन के आधार पर की है। प्रतिवेदन के अनुसार अभिषेक एक आदतन अपराधी है। इसके खिलाफ वर्ष 2013 से अब तक थाना एनकेजे में 15 अपराधिक प्रकरण दर्ज है। जिसमें गाली-गलौज करना, मारपीट करना, जान से मारने की धमकी, हत्या का प्रयास, अवैध उत्खनन करना, जातिगत शब्दों से अपमानित कर मारपीट करना जैसे अपराध शामिल है। पुलिस द्वारा अभिषेक के विरूद्ध कई बार वैधानिक और प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई हैं, बावजूद इसके आदतन अपराधी के आचरण व्यवहार में कोई सुधार नहीं हुआ। आपराधिक गतिविधियां लगातार जारी रखने और क्षेत्र में शांति और सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए कलेक्टर द्वारा राज्य सुरक्षा अधिनियम के तहत जिलाबदर का आदेश जारी किया है।

जनभागीदारी से जीवित हुईं 32 सौ से अधिक जलसंरचना

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत कराया गया कार्य

नवभारत, कटनी। जिले में जल स्तर को सुधारने और पारंपरिक जल स्रोतों को सहेजने के लिए चलाया जा रहा जल गंगा संवर्धन अभियान 2026' मे जिले ने उत्कृष्ट कार्य किया है। बलराम तालाब की श्रेणी में जल गंगा संवर्धन अभियान के मामले में कटनी प्रदेश के 4 अग्रणी जिलों में शामिल है। अब तक जिले में 3,284 जल संरक्षण संबंधी कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण किए जा चुके हैं, जिससे पानी को सहेजने और उसके संरक्षण व संवर्धन में मदद मिलेगी। अभियान के तहत भू-जल स्तर को बढ़ाने के लिए अब तक जिले भर में 1,310 डगवेल रिचार्ज करने का कार्य पूरा किया जा चुका है। इसी प्रकार सिंचाई व्यवस्था को मजबूत करने के लिए 1,074 नए खेत तालाबों का निर्माण, खेतों तक पानी की सुचारू पहुंच के लिए 226 सिंचाई अधोसंरचना से जुड़ी परियोजनायें पूरी की गई हैं। जल संकट से निपटने के लिए 256 विशेष जल संरक्षण संरचनाएं बनी हैं, अभियान के तहत 1 अमृत सरोवर बना है, 59 वॉटर स्ट्रक्चर्स की मरम्मत और 39 पर गैप फिलिंग प्लांटेशन का कार्य भी किया है।

विधिक, सामाजिक और प्रशासनिक पहलुओं का अध्ययन कर समिति यूसीसी के लिए करेगी अनुशंसा

समान नागरिक संहिता पर उच्च स्तरीय जन परामर्श

नवभारत,कटनी। मध्यप्रदेश शासन द्वारा समान नागरिक संहिता यूनीफार्म सिविल कोड के संबंध में अध्ययन और परीक्षण के लिए गठित उच्च स्तरीय समिति की बैठक रविवार को शासकीय तिलक महाविद्यालय के सभाकक्ष में आयोजित की गई। बैठक में समान नागरिक संहिता से जुड़े सामाजिक, विधिक, प्रशासनिक पहलुओं पर जनप्रतिनिधियों, प्रबुद्धजनों और विभिन्न वर्गों से सुझाव प्राप्त किए गए। उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता समिति के सदस्य कानूनविद अनूप नायर ने किया। इस अवसर पर सांसद खजुराहो वीडी शर्मा, विधायक मुड़वारा संदीप जायसवाल, कलेक्टर आशीष तिवारी, पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा, अपर कलेक्टर नीलांबर मिश्रा, डिप्टी कलेक्टर, एसडीएम बहोरीबंद प्रदीप कुमार मिश्रा, एसडीएम कटनी प्रमोद कुमार चतुर्वेदी मौजूद रहे। उच्च स्तरीय बैठक में सांसद वीडी शर्मा और विधायक संदीप जायसवाल, जिला भाजपा अध्यक्ष दीपक टंडन सोनी, पर्यावरणविद् और मानव जीवन विकास समिति के सचिव निर्भय सिंह, समाजसेवी मोहन नागवानी, शिक्षाविद् डा चित्रा प्रभात सहित समाजसेवियों ने अपने सुझाव दिए। बैठक में जनप्रतिनिधियों, विभिन्न संगठनों और संस्थाओं के प्रतिनिधियों, पत्रकारों ने भी सुझाव दिए। बैठक की अध्यक्षता करते हुए समिति के कानूनविद अनूप नायर ने समिति गठन के उद्देश्यों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि राज्य शासन द्वारा गठित यह उच्च स्तरीय समिति विवाह, भरण-पोषण, विवाह विच्छेद, उत्तराधिकार, अन्य पारिवारिक कानूनों से संबंधित विधिक, सामाजिक, प्रशासनिक पहलुओं का अध्ययन कर समान नागरिक संहिता के संबंध में उपयुक्त अनुशंसाएं प्रस्तुत करेगी। उच्च स्तरीय जनपरामर्श बैठकों के माध्यम से समाज के विभिन्न वर्गों की सहभागिता सुनिश्चित की जा रही है। समिति द्वारा प्रदेशभर के जिलों में जाकर नागरिकों से सुझाव प्राप्त किए जाएंगे। आमजन से सुझाव प्राप्त करने के लिए एक विशेष वेबसाइट का निर्माण भी किया गया है। गौरतलब है कि सीएम मोहन यादव ने बीते दिनों समान नागरिक संहिता मध्यप्रदेश की वेबसाइट का विमोचन किया है। इस वेबसाइट के माध्यम से नागरिक अपने सुझाव ऑनलाइन दर्ज करा सकेंगे।

मन की बात भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष व सांसद वीडी शर्मा ने किसानों के बीच बैठकर सुना मन की बात कार्यक्रम

देशवासियों को प्रेरणा देने वाला संवाद है पीएम की मन की बात, इससे सशक्त होता है समाज

नवभारत, कटनी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 134वें एपिसोड को आज कटनी जिले में नवाचार के साथ बूथ स्तर पर किसानों एवं आमजन के साथ सामूहिक रूप से सुना गया। कार्यक्रम को लेकर जिलेभर के सभी मंडलों में उत्साह का वातावरण देखने को मिला। इस अवसर पर भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष व खजुराहो सांसद विष्णुदत्त शर्मा विशेष रूप से कटनी पहुंचे। उन्होंने बहोरीबंद विधानसभा के कुआं मंडल अंतर्गत ग्राम पंचायत राखी मेढ़े के बूथ क्रमांक 207 पर अन्नदाता किसानों के साथ बैठकर कार्यक्रम सुना। कार्यक्रम के के बाद सांसद ने किसानों का सम्मान करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री का 'मन की बात' कार्यक्रम देशवासियों को प्रेरणा देने वाला संवाद है, जो समाज में सकारात्मक परिवर्तन और जनभागीदारी को सशक्त बनाता है। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष दीपक सोनी टंडन, विधायक प्रणय पांडे, जिला उपाध्यक्ष सतीश नायक, मंडल महामंत्री आकाश नायक, बूथ अध्यक्ष आनंद हल्दकार तथा बूथ स्तर पर 'मन की बात' के प्रभारी महेंद्र हल्दकार सहित काफी संख्या में किसान और भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इसी प्रकार जिले के विभिन्न स्थानों पर जनप्रतिनिधियों ने किसानों एवं आमजन के साथ कार्यक्रम सुना। विधायक संदीप जायसवाल ने कृषि उपज मंडी में किसानों के साथ कार्यक्रम का श्रवण किया, विधायक संजय पाठक ने बूथ पर कार्यक्रम सुना, जबकि बहोरीबंद विधायक प्रणय पांडे सांसद वीडी शर्मा के साथ उपस्थित रहे। वहीं बड़वारा विधायक धीरेंद्र सिंह ने भी निवास पर आमजनों और किसानों के साथ कार्यक्रम सुना। महापौर ने सावरकर वार्ड में किसानों के बीच और निगमाध्यक्ष मनीष पाठक ने बूथ में प्रसारण को ध्यानपूर्वक सुना। जिलेभर के सभी मंडलों में किसानों और आमजन ने प्रधानमंत्री की बातों को गंभीरता और उत्साहपूर्वक सुना। कार्यक्रम के माध्यम से जल संरक्षण, जनभागीदारी, नवाचार और राष्ट्र निर्माण के संदेशों को आत्मसात करने का संकल्प लिया गया।

घर में पर्दे के पीछे मिले लापता हुए मासूम भाई-बहन

कोतवाली पुलिस द्वारा की गई कार्रवाई

नवभारत, कटनी। कोतवाली थाना क्षेत्र के अंतर्गत महात्मा गांधी वार्ड में उस समय हड़कंप मच गया, जब दो सगे मासूम भाई-बहन अचानक लापता हो गए। बच्चों के गायब होने से बदहवास माता-पिता तत्काल कोतवाली थाने पहुंचे। पुलिस ने तत्काल सर्च ऑपरेशन शुरू किया और दो घंटे के अंदर दोनों बच्चों को ढूंढ निकाला। बच्चे अपने ही घर के पास एक खाली कमरे में रैक के पीछे सोए हुए मिले। जानकारी के अनुसार महात्मा गांधी वार्ड तिलक राष्ट्रीय स्कूल के साईं मंदिर के पास निवासी राकेश सोनकर ने थाने पहुंचकर बताया कि उनका 8 वर्षीय बेटा मोहित सोनकर और 6 वर्षीय बेटी आलिया सोनकर पिछले दो घंटे से घर के बाहर खेलते समय अचानक गायब हो गए हैं। परिजनों ने अपने स्तर पर पूरे मोहल्ले स्थानीय बाजार और रेलवे स्टेशन तक खाक छानी, लेकिन बच्चों का कहीं पता नहीं चला। जिसके बाद पुलिस टीम को रवाना किया गया। क्षेत्र के सीसीटीवी कैमरे देखे गए। साथ ही घर के आसपास पूछताछ की गई और घर के ही पास बने एक खाली कमरे पर टीम की नजर गई। कमरे के अंदर सामान रखने वाली एक रैक पर पर्दा लगा हुआ था। जैसे ही पुलिस ने उस पर्दे को हटाया, वहां का नजारा देख सबकी जान में जान आई। दोनों मासूम बच्चे वहां चैन की नींद सो रहे थे। जब पुलिस ने बच्चों को जगाकर उनसे पूछताछ की, तो बेहद हैरान करने वाली वजह सामने आई। बच्चों ने बताया कि वे घर का पुराना मोबाइल लेकर घरवालों से छुपकर गेम खेलने के लिए उस खाली कमरे में आए थे। रैक के पीछे बैठकर गेम खेलते-खेलते सौ गए थे।